

Meeting No. 17

आज दिनांक 11/12/2018 को महाविधालय के शिक्षक अभिभावक संघ PTA की कार्यकारिणी की बैठक श्री मदन शर्मा PTA अध्यक्ष की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई । बैठक में कुमारी देविंद्रा गुप्ता प्रधानाचार्य विशेष रूप से उपस्थित रहे । बैठक में निम्न सदस्यों ने भाग लिया:-

| | |
|--------------------------|-------------------|
| कुमारी देविंद्रा गुप्ता: | प्रधानाचार्य |
| श्री मदन शर्मा: | प्रधान |
| श्री अनवर अली: | उपप्रधान |
| श्री मुकेश चौधरी: | सहसचिव |
| श्री जोगी राम: | मुख्य सलाहकार |
| श्री अशोक चौधरी: | कार्यकारिणी सदस्य |
| श्री राम लाल तोमर: | सदस्य |
| श्री नरेश कुमार: | सचिव |
| श्री जागर सिंह: | कोषाध्यक्ष |

सर्वप्रथम बैठक में प्रधानाचार्य कु. देविंद्रा गुप्ता ने सभी सदस्यों का स्वागत किया । तत्पश्चात् सचिव श्री नरेश कुमार द्वारा बैठक का संचालन किया गया ।

सचिव नरेश कुमार द्वारा दिनांक 08/09/2018 को हुई बैठक की कार्यवाही की पृष्टि का प्रस्ताव रखा गया । श्री नरेश कुमार सचिव द्वारा 08/09/2018 की बैठक के दौरान लिए गए निर्णयों पर मदवार सुचना रखी :-

मद संख्या 1. इस मद पर कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं ।

मद संख्या 2. इस पर भी कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं ।



मद संख्या 3. हरिकेश कुमार पुत्र श्री महिन्दर कुमार को छात्रवृत्ति देने बारे: उक्त छात्र BCom 3rd sem में अनुतीर्ण हुआ। अतः इस दशा में उसे छात्रवृत्ति नहीं सकती सभी सदस्यों ने उक्त प्रस्ताव को सही ठहराया और महाविधालय प्रशासन द्वारा लिए गए निर्णय को पारित किया।

मद संख्या 4. प्रधानाचार्य महोदय जी ने सूचित किया कि पुराने छात्रों का संगठन बना हुआ जोकि 3 वर्ष के कार्यकाल लिए बना हुआ है। नई कार्यकारिणी का गठन भविष्य में जल्द ही कर दिया जाएगा।

नई मदे :-

मद संख्या 1. महाविधालय में अध्ययनरत छात्र व छात्राओं के दोपहिया वाहनों को पार्किंग सुविधा देने हेतु स्थान चयनित किया गया।

मद संख्या 2. महाविधालय में "पहल" सांस्कृतिक समारोह के आयोजन के लिए 50000/-की राशि का प्रावधान किया गया।

मद संख्या 3. महाविधालय कैटीन में खिड़कियां लगाने के लिए व्यय राशि के लिए स्वीकृति प्रदान की गई।

मद संख्या 4. पारम्परिक वाध्ययंत्र खरीदने हेतु स्वीकृति दी।

मद संख्या 5. सड़क किनारे झाड़ियों की सफाई हेतु व्यय राशि की स्वीकृति दी गई।

मद संख्या 6. प्राचार्य कक्ष के शौचालय में टाइलों एवं वाशवेसन लगाने हेतु स्वीकृति दी गई।

मद संख्या 7. पौधों के गमलों के स्टैंड बनाने के लिए स्वीकृति दी गई।

मद संख्या 8. पुस्तकालय में परिचर को तैनात कराने हेतु स्वीकृति दी गई।

मद संख्या 9. परिसर के लिए कूड़ेदान खरीदने की स्वीकृति दी गई।

उपरोक्त पदों पर विस्तृत मदवार चर्चा हुई और निम्न प्रस्ताव पारित हुए:-

मद संख्या 1. प्राचार्य महोदय द्वारा छात्रों की दोपहिया वाहनों की महाविधालय के अन्दर पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराने हेतु प्रस्ताव रखा गया। प्राचार्य महोदय ने अवगत कराया कि पिछले



छात्र-छात्राओं अपने दोपहिया वाहन महाविधालय के बाहर खड़े कर रहे हैं। परन्तु छात्र-छात्राओं द्वारा मांग की गई कि हमारे वाहनों को बड़ी गाड़ियों को क्षति पहुँचाती है और इसलिए वाहन अंदर पार्क करने की अनुमति दे। पहले कुछ छात्र अपने वाहन प्रशासनिक भवन के बाहर खड़ा करते थे जिससे कार्यालय व परीक्षाएं बाधित हो रही थी। अतः इस छात्रों को अपने दोपहिया वाहन महाविधालय के बाहर खड़ा करने आरम्भ कर दिए परन्तु अपने वाहनों की सुरक्षा व क्षति बचाने हेतु फिर से महाविधालय के अंदर पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की। इस मद पर सभी सदस्यों ने विस्तृत चर्चा की और निम्न सुझाव दिए कि छात्र-छात्राओं को केवल दोपहिया वाहनों हेतु पानी की टंकी से community hall को जाने वाले रास्ते पर पार्किंग उपलब्ध करायी जाए और पार्किंग के नियम बनाए जाए। श्री राम लाल तोमर ने सुझाव दिया कि पार्किंग खुलने और बंद होने का समय होना चाहिए। जो सुबह 10:30 बजे वाहन पार्क कर देगा उसे अपना वाहन शाम को 2:30 बजे ही अपना वाहन बाहर ले जाने की अनुमति होगी। उसे बार बार वाहन ले जाने और अंदर अनुमति नहीं होगी क्योंकि इससे परिसर की शांति भंग होगी। सभी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से ये प्रस्ताव पारित किया गया। कि छात्र की महाविधालय के अंदर प्रस्तावित जगह पर पार्किंग उपलब्ध करायी जाए। जिसका निर्माण PTA निधि से किया जाए। PTA सदस्यों द्वारा प्रस्तावित जगह का दौरा किया जाए। और निर्णय लिया गया कि गेट से टंकी तक के रास्ते पर भी टाइल्स बिछाई जाए। अतः पार्किंग बनाने का पूर्ण खर्चा PTA निधि से वहन करने का प्रस्ताव पारित किया गया।

मद संख्या 2. महाविधालय में "पहल" स्संस्कृतिक समारोह के आयोजन के लिए 50000/- रु की राशि का प्रावधान किया गया। प्राचार्य महोदय ने सभी सदस्यों को सूचित किया कि CSCA का संस्कृतिक कार्यक्रम हर वर्ष महाविधालय में मनाया जाता रहा है परन्तु पिछले 2-3 साल से उक्त कार्यक्रम नहीं मनाया जा रहा है क्योंकि नवंबर के माह में Rusa System होने के कारण परीक्षाएँ होती हैं। प्राचार्य महोदय ने इस प्रथा को पुनः आरम्भ करने का प्रस्ताव रखा और सूचित किया कि महाविधालय सलाहकार समिति द्वारा भी इस कार्यक्रम को पुनः आयोजित करने का अनुमोदन किया गया। क्योंकि ऐसे कार्यक्रम छात्र-छात्राओं के व्यक्तिगत के विकास में सहायक होते हैं। प्राचार्य महोदय द्वारा सूचित किया गया कि उक्त कार्यक्रम को 27 व 28 दिसंबर को मनाया जाना प्रस्तावित है और प्राचार्य महोदय ने यह भी प्रस्ताव रखा कि उक्त कार्यक्रम हेतु



PTA द्वारा राशि स्वीकृति की जाए। अतः कार्यकारिणी द्वारा सर्वसम्मति से उक्त कार्य के आयोजन हेतु 50000/ की राशि स्वीकृत करने का निर्णय लेकर प्रस्ताव पारित किया।

मद संख्या 3. महाविधालय कैटीन में खिड़कियों लगाने के लिए व्यय राशि के लिए स्वीकृति प्रदान की गई। PTA के सदस्यों द्वारा उक्त कार्य हेतु कैटीन का दौरा किया गया और पाया कि कैटीन में बंदर इत्यादि अंदर घुस सकते हैं और कैटीन होल्डर का नुकसान कर सकते हैं। बारिश का पानी भी कैटीन में वर्षा के दौरान आ जाता है। सर्वसम्मति से कैटीन में जाली व फाइबर शीट की खिड़कियाँ लगाने का प्रस्ताव पारित किया गया और यह भी पारित किया गया की उक्त कार्य हेतु खर्च PTA निधि से किया जाएगा।

मद संख्या 4. पारम्परिक वाध्यंत्र खरीदने हेतु: प्राचार्या महोदय सूचित किया कि महाविधालय के पास सांस्कृतिक नृत्य हेतु अपने वाध्यंत्र नहीं हैं। और इन्हे खरीदे जाने का प्रस्ताव रखा। सर्वसम्मति से सभी PTA सदस्यों द्वारा PTA निधि से उक्त कार्य हेतु खर्च का प्रस्ताव पारित किया।

मद संख्या 5. सड़क के किनारे झाड़ियों की सफाई हेतु: महाविधालय बाहर Housing Board से आने वाले रास्ते पर बहुत से झाड़ियाँ हैं और लोग उसमें बहुत सा कूड़ा कचरा फेंक रहे हैं। उक्त कार्य हेतु PTA सदस्यों द्वारा यह प्रस्ताव पारित किया गया कि झाड़ियों को साफ करने हेतु जो भी खर्च होगा वह PTA निधि से किया जाए। सर्वसम्मति से झाड़ियों को साफ कराने हेतु खर्च PTA निधि से किये जाने का प्रस्ताव पारित किया गया।

मद संख्या 6. प्राचार्या महोदय के शौचालय में टाइल्स व वाशबेसिन लगाने हेतु प्राचार्या महोदय द्वारा प्राचार्या कक्ष के शौचालय में टाइल्स व वाशबेसिन लगाने जाने की आवश्यकता है जिस संदर्भ में उपस्थित सभी सदस्यों के विचार विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि उक्त कार्य खर्च PTA निधि से किया जाए। सभी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया।

मद संख्या 7. पोथो के लिए गमलो का स्टैंड बनाने हेतु: प्राचार्या महोदय ने प्रस्ताव रखा कि परिसर में गमलो के 2 स्टैंड बनाए जाए। अभी सदस्यों द्वारा 2 गमलो के स्टैंड बनाए जाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया। सर्वसम्मति से उक्त कार्य का खर्च PTA निधि से किए जाने स्वीकृति व्यक्त करते हुए प्रस्ताव पारित किया गया।



मद संख्या 8. पुस्तकालय में परिघर को तैनात कराने हेतु: प्राचार्या महोदय द्वारा सूचित कराया गया कि महाविधालय के पुस्तकालय में पुस्तकालय अध्यक्ष के अलावा कोई भी पोस्ट सरकार द्वारा नहीं भरी गई जिसके चलते पुस्तकालय में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुस्तकालय में करीब 10000 पुस्तकें हैं जिसके चलते उनके रखरखाव व dusting हेतु एक परिचर की आवश्यकता है अतः कार्य का विचार करते हुए उपस्थित सभी सदस्यों ने इस पर अपनी स्वीकृति प्रदान की। पुस्तकालय में 6000-7000 रु पर रखे जाने वाले परिचर का खर्च भी PTA निधि से किए जाने बारे स्वीकृति दी। सभी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से इस निर्णय पर प्रस्ताव पारित किया गया।

मद संख्या 9. परिसर के लिए कूड़ेदान खरीदने हेतु: प्राचार्या द्वारा बैठक में यह सूचित कराया कि परिसर में कूड़े-कचरे को सही निवारण हेतु कूड़ेदान लगाने की आवश्यकता है। क्योंकि परिसर में ऐसी कोई भी सुविधा ना होने के कारण सारा कूड़ा कचरा परिसर में फेका रहता है। जिससे परिसर की शोभा खराब होती है। अतः परिसर में 4 या 5 कूड़ेदान खरीदने की जरूरत है। PTA कार्यकारिणी की बैठक में उक्त कार्य पर स्वीकृति व्यक्त करते हुए कूड़ेदान खरीदने का खर्च PTA निधि किए जाने अपनी स्वीकृति दी और प्रस्ताव पारित किया।

अन्त सभी सदस्यों ने प्राचार्या महोदय की उपस्थिति में जलपान किया। प्राचार्या महोदय ने सभा में उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद किया और इसी के साथ सभा का समापन किया।

Chauhan
Secretary, P.T.A.
G.C. Paonta Sahib
Distt. Sirmour (H.P.)



M.S. Chauhan
Dr. MOHAN SINGH CHAUHAN
Principal
Shree Guru Gobind Singh Ji
Government College
Paonta Sahib
Dist. Sirmour (H.P.)-173025

11-12-2018

आज दिनांक (मंगलवार) को
 महाराष्ट्रातीप के दिनांक आमिलावक सेंद (PTA) की
 कार्यकारिणी में है, श्री भद्र राजी श्री अधिकारी
 नी आधिकारिक रूप से सम्पर्च हुई। इसमें मे
 दुमारी देवि-दूरा गुरुता पुण्यानामार्थ विशेष कार्य से
 आयोजित रही। इसमें निम्न संपर्कों ने

नाम लिया:-

श्री भद्र

- 1) श्री विविरा गुरुता : पुण्यानामार्थ
 - 2) श्री गणेश शेळी : पुण्यानामार्थ
 - 3) श्री अमरवर्जनी : उप पुण्यानामार्थ
 - 4) श्री गणेश शेळी : सद साधन अभियान
 - 5) श्री द्वौषी राम : मुख्य सतार संघ
 - 6) श्री अग्नि शेळी : कार्यकारिणी सदाचार अभियान
 - 7) श्री श्री राम लालेतांग : निष्ठा - अभियान
 - 8) श्री निष्ठा कुमार लक्ष्मी (सांची PTA)
- श्री निष्ठा कुमार लक्ष्मी ने बोधवाली की शुभाघट्टा

महाराष्ट्र के एक निष्ठा की शुभाघट्टा गुरुता ने एक वार्षिक का
 एवगत दिना | तत्पश्चात साधन श्री निष्ठा कुमार श्री द्वौषी राम

संचालन किया।

श्री निष्ठा की शुभाघट्टा द्वारा दिनांक 8-9-2018 की हुई घोषक की
 कार्यकारी की प्रतिक्रिया की शुभाघट्टा द्वारा गया। श्री निष्ठा कुमार श्री द्वौषी राम
 8-9-2018 की घोषक की शुभाघट्टा द्वारा गया। पर मंगलवार
 शुभाघट्टा की रखी।

मंगलवार (1) :- इस में पर कोई कार्यकारी अपेक्षा नहीं।

मंगलवार (2) :- 52। पर की कोई कार्यकारी अपेक्षा नहीं।

मंगलवार (3) :- हाइकोश कुमार श्री निष्ठा की
 दृष्टिकोण द्वारा द्वारा

L उक्ता द्वारा BGm III Sem. II अंतिम।

उद्देश्य 1) अनुसन्धान के विषयों में से एक विषय की विज्ञानीय समस्या के तहत उत्तराधिकारी की विवरण और अधिकारात्मक प्रवासन द्वारा दिए गए नियमों की पारिता है।

मा॒र्गदर्शन ५ :- प्राचीनतमी मद्देत्ता वा ये खूबियों की
प्रति उपलब्ध की जाने वाली उन्नीसवीं वर्षीय
उपलब्ध की अधिकारी के लिए उन्हें उपलब्ध है। यह कामकालीनी की
उपलब्ध नाविकार में उपलब्ध हो जाएगा।

मा॒र्गदर्शन ६ :-

मा॒र्गदर्शन ६) मद्दावद्वालय में अवधारणत दोस्तों वा बेटाओं वा
दोपदेशों वालों की पारिता सुनिवाले देखे हैं इसे व्यापक समाजी
नाविकार में।

मा॒र्गदर्शन ७ :-

मा॒र्गदर्शन ७) मद्दावद्वालय में "संस्कृति आमार्द्दन"
के अन्वेषण के लिए 50000 रुपये की राशि की आवश्यकता है।

मा॒र्गदर्शन ८ :-

मा॒र्गदर्शन ८) मद्दावद्वालय के लिए उपलब्ध वालों की जांच
के लिए अधिकारी की विवरण दिए गए हैं।

मा॒र्गदर्शन ९ :-

मा॒र्गदर्शन ९) प्राचीनतमी वालों के विवरण दिए गए हैं।

मा॒र्गदर्शन १०) सदिंची विवरण दिए गए हैं।

मा॒र्गदर्शन ११) विवरण दिए गए हैं।

मा॒र्गदर्शन १२) विवरण दिए गए हैं।

मा॒र्गदर्शन १३) प्राचीनतमी वालों की विवरण दिए गए हैं।

मा॒र्गदर्शन १४) प्राचीनतमी वालों की विवरण दिए गए हैं।

मा॒र्गदर्शन १५) प्राचीनतमी वालों की विवरण दिए गए हैं।

Ab 4वें वर्ष के दौरान (अप्रैल से जून) में सिविलियर्स के
विकास एवं सेवा की प्रश्न दौरान के दौरान इसकी विभिन्न विधि
जो कि विकास के उद्देश्य की दृष्टि से मानव विकास
प्रक्रिया के अन्तर्गत वापस आंदोलन कहा जाता है।
अनुग्रह के 4वें वर्ष के दौरान इसके लिए समाजिक
शोधकारों के लिए एक अतिरिक्त विकास का
परिकार है। अप्रैल से जून तक अप्रैल वार्षिक
शोधकारों के लिए एक अतिरिक्त विकास का
अनुग्रह दिया जाता है। इसका उद्देश्य यह है कि
लोकों द्वारा उपर्युक्त विकास के लिए सहायता
प्रदान की जाए। इसके अलावा इसका उद्देश्य यह
है कि इन लोकों को अप्रैल वार्षिक
शोधकारों के लिए एक अतिरिक्त सुविधा प्रदान
की जाए। इसके अलावा इसका उद्देश्य यह है कि
इन लोकों को अप्रैल वार्षिक शोधकारों के लिए सहायता
प्रदान की जाए। इसके अलावा इसका उद्देश्य यह है कि
इन लोकों को अप्रैल वार्षिक शोधकारों के लिए सहायता
प्रदान की जाए। इसके अलावा इसका उद्देश्य यह है कि
इन लोकों को अप्रैल वार्षिक शोधकारों के लिए सहायता
प्रदान की जाए। इसके अलावा इसका उद्देश्य यह है कि
इन लोकों को अप्रैल वार्षिक शोधकारों के लिए सहायता
प्रदान की जाए। इसके अलावा इसका उद्देश्य यह है कि
इन लोकों को अप्रैल वार्षिक शोधकारों के लिए सहायता
प्रदान की जाए। इसके अलावा इसका उद्देश्य यह है कि
इन लोकों को अप्रैल वार्षिक शोधकारों के लिए सहायता
प्रदान की जाए। इसके अलावा इसका उद्देश्य यह है कि
इन लोकों को अप्रैल वार्षिक शोधकारों के लिए सहायता
प्रदान की जाए। इसके अलावा इसका उद्देश्य यह है कि
इन लोकों को अप्रैल वार्षिक शोधकारों के लिए सहायता
प्रदान की जाए। इसके अलावा इसका उद्देश्य यह है कि
इन लोकों को अप्रैल वार्षिक शोधकारों के लिए सहायता
प्रदान की जाए। इसके अलावा इसका उद्देश्य यह है कि
इन लोकों को अप्रैल वार्षिक शोधकारों के लिए सहायता
प्रदान की जाए। इसके अलावा इसका उद्देश्य यह है कि
इन लोकों को अप्रैल वार्षिक शोधकारों के लिए सहायता
प्रदान की जाए।

MAY - में सिविलियर्स के विकास एवं सेवा के
अनुग्रह के लिए एक अतिरिक्त विकास का
मानव विकास के लिए एक अतिरिक्त विकास का
मानव विकास के लिए एक अतिरिक्त विकास का

प्रत्येक विद्युत घटना के बारे में जो विवरण दिया जाता है, उसका नाम एक विशेषज्ञता का नाम है। यह विशेषज्ञता विद्युत की विवरणों को समझने के लिए आवश्यक है। इसका उद्देश्य यह है कि विद्युत की विवरणों को समझने के लिए एक सामान्य तरीका प्रदान करना। यह विशेषज्ञता विद्युत की विवरणों को समझने के लिए एक सामान्य तरीका प्रदान करना।

NC → पूर्वामृत के रुक्षामृत का दूसरी दिन होता है। -
 पूर्वामृत महोदय के दूसरी दिन होता है। जिसमें अपनी शरीर की संवर्द्धना और विकास का प्रक्रिया घटता है। इसका नाम फला दर्शन (Falla Darshana) होता है। अपने लगवाने की वजह से इसका एक अन्य नाम भूमि दर्शन है। इसके दूसरी दिन विशेष रूप से उत्तम विशेषज्ञों द्वारा आयोजित किया जाता है।

HG 5. *Arctia caja* (Fabricius) Schaus (1907) *Arctia caja* (Fabricius).

परिवहन विभाग की अधिकारी होने के बाद वह एक विशेष विभाग का नियंत्रण करता है। इस विभाग का उद्देश्य यह है कि सभी वाहनों की सुरक्षा और नियमों का पालन किया जाए। यह विभाग विशेषज्ञ विधियों का विवरण करता है और विधियों का पालन करने की ज़िल्हा की विधियों की विवरण करता है। यह विभाग विशेषज्ञ विधियों का विवरण करता है और विधियों का पालन करने की ज़िल्हा की विधियों की विवरण करता है।

Q6 - प्रतिवार्षीय चूंच के अधिकारों के बारे में लिखें। इसके लिए आपको क्या करना होगा? इसके लिए क्या आपको क्या करना होगा? इसके लिए क्या करना होगा?

Ans → दो चूंचों के अधिकार सभी वर्गों के लिए हैं।
प्रतिवार्षीय चूंचों के बारे में जानकारी के लिए आपको क्या करना होगा? इसके लिए आपको क्या करना होगा? इसके लिए क्या करना होगा?

Ans → अतिवार्षीय चूंचों के लिए जानकारी के लिए आपको क्या करना होगा? इसके लिए क्या करना होगा? इसके लिए क्या करना होगा?

Ans → दो चूंचों के लिए जानकारी के लिए आपको क्या करना होगा? इसके लिए क्या करना होगा? इसके लिए क्या करना होगा?

अतः ये अन्तिम संकेतों की प्राचीनता सदैव युगी उपरिचित असं
लेपण नहीं। प्राचीन नदीयम् → लेक्षण में उपरिचित रूप
संकेतों की वाच्यादि क्रियाओं तथा उन साथ जुड़ी
संकेत भी।

~~अन्तिम
संकेत
प्राचीन~~

(अन्तिम संकेत)
प्राचीन प्राचीन (प्राचीन)
उपरिचित वाच्यादि
जुड़ी संकेत रूपों

C/S.

अन्तिम

अन्तिम संकेत वाच्यादि वाच्यादि वाच्यादि
उपरिचित वाच्यादि वाच्यादि वाच्यादि

अन्तिम संकेत वाच्यादि (II) अन्तिम संकेत

अन्तिम संकेत वाच्यादि वाच्यादि वाच्यादि
उपरिचित वाच्यादि वाच्यादि वाच्यादि